

मानिंद वि. (फा.) सदृश वि. माननीय या मान्य।

मानिक पुं. (तद्.) 1. लाल रंग के एक मणि का नाम, कुरुविंद, पद्मराग 2. आठ पल की एक पुरानी तौल।

मानिक खंभ पुं. (देश.) 1. वह खूँटा जो कातर के किनारे गड़ा रहता है, मरखम 2. विवाह के समय मंडप के बीच में गाड़ा जाने वाला खंभा।

मानिकचंदी स्त्री. (देश.) एक तरह की छोटी सुपारी।

मानिक-जोड़ पुं. (देश.) एक प्रकार का बगला जिसकी चोंच और टाँगें अधिक लंबी होती हैं।

मानिक रेत स्त्री. (देश.) मानिक का चूरा जिससे गहने साफ किए जाते हैं।

मानिका स्त्री. (तत्.) 1. मद्य, शराब 2. आठ पल या साठ तोले की एक पुरानी तौल।

मानित पुं. (तत्.) जिसका मान होता हो, प्रतिष्ठा, सम्मानित।

मानिता स्त्री. (तत्.) 1. मानित्व, सम्मान 2. गौरव 3. अहंकार, घमंड।

मानिनी वि. (तत्.) मान (अभिमान या गर्व) करने वाली।

मानी वि. (तत्.) 1. जिसमें मान हो, मानवाला 2. अपने मान या प्रतिष्ठा का अधिक या यथेष्ट ध्यान रखने वाला 3. किसी गुण या बात का अभिमान करने वाला, अभिमानी, घमंडी 4. मान करने या रूठने वाला 5. जिसका लोग मान या सम्मान करते हों, माननीय 6. मन लगाकर काम करने वाला, मनोयोगी काव्य. **स्त्री.** 1. घड़ा 2. चक्की के नीचे वाले पाट के बीचो-बीच लगी रहने वाली वह लकड़ी जिसके चारों ओर ऊपरवाला पाट घूमता है 3. कुदाल, बसूले आदि का वह छेद जिसमें बेंट लगाई जाती है 4. किसी चीज में बनाया हुआ वह छेद जिसमें कुछ जड़ा जाय 5. किसी तरह का छेद या सूराख 6. अन्न नापने का एक मान या तौल जो सोलह सेर की होती थी पुं. 1. पद, वाक्य, शब्द आदि का अभिप्राय या आशय, अर्थ, माने 2. भेद या

रहस्यमूलक तत्त्व का आशय, तात्पर्य, मतलब 3. उद्देश्य, प्रयोजन काव्य. 7. शृंगार रस का आलंबन वह नायक जो बहुत बड़ा अभिमानी हो।

मानुष वि. (तत्.) मनुष्य-संबंधी, मनुष्य का पुं. 1 आदमी, मनुष्य 2. प्रमाण के तीन भेदों में से एक।

मानुषक वि. (तत्.) मनुष्य-संबंधी।

मानुषता स्त्री. (तद्.) मानुष होने की अवस्था या भाव, आदमीयत, मनुष्यत्व।

मानुषिक वि. (तत्.) 1. मनुष्य संबंधी 2. मनुष्यों का सा (असुरों देवताओं आदि की तरह का नहीं)।

मानुषी स्त्री. (तत्.) स्त्री, औरत वि. मानुषीय जैसे-मानुषी चिकित्सा।

मानुषी चिकित्सा स्त्री. (तद्.) वैद्यक में तीन प्रकार की चिकित्साओं में से एक, मनुष्यों के उपयुक्त चिकित्सा।

मानों अव्य. (तत्.) एक अव्यय जिसका प्रयोग नीचे लिखे अर्थ या भाव सूचित करने के लिए होता है प्रयो. वह मनुष्य क्या था मानों देवता था।

मानोखी स्त्री. (देश.) एक प्रकार की चिड़िया।

मानोपाधि स्त्री. (तत्.) वह उपाधि या खिताब जो किसी का मान बढ़ाकर उसे सम्मानित करने के लिए दिया जाय।

मानों अव्य. (तत्.) मानों।

मान्य वि. (तत्.) 1. (बात) जिसे मान सकें। माने जाने के योग्य 2. (व्यक्ति) जिसका मान या सम्मान करना आवश्यक या उचित हो, मान या सम्मान का अधिकारी या पात्र 3. प्रार्थना के रूप में उपस्थित किये जाने के योग्य, प्रार्थनीय पुं. 1. विष्णु 2. शिव 3. मैत्रावरुण।

मान्यता स्त्री. (तत्.) 1. मान्य होने की अवस्था या भाव 2. किसी विषय में माने और स्थिर